हड़प्पा युग की जल प्रबंधन तकनीक

चर्चा में क्यों?

राखीगढ़ी **में** हड़प्पा युग **के स्थल पर** चल रहे उत्खनन से जल प्रबंधन के महत्त्वपूर्ण **साक्ष्य सामने आए हैं,** जिनमें हिसार ज़िले के राखीगढ़ी गाँव में टीले एक और दो के बीच एक जल निकाय की खोज भी शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **जल संग्रहण क्षेत्र की खोज:**
  - उत्खनन से **3.5 से 4 फीट गहराई वाला जल भंडारण क्षेत्र सामने आया, जिससे** 5,000 वर्ष पूर्व की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों का पता चला।
  - भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने इसे हड़प्पा लोगों द्वारा **परिष्कृत इंजीनियरिंग का साक्ष्य** बताया।
- **विशिष्ट आवास क्षेत्र की पहचान की गई:**
  - टीले संख्या एक, दो और तीन की पहचान "कुलीन क्षेत्र" के रूप में की गई है, जहां संभवतः हड़प्पा सभ्यता **के उच्च वर्ग के लोग निवास करते थे।**
  - इस क्षेत्र में पाई गई विशाल संरचनाएँ अभिजात वर्ग के निवास स्थल के रूप में इसके महत्त्व को दर्शाती हैं।
- **दृशावती नदी की उपस्थिति:**
  - **चौतांग या दृशावती नदी** के रूप में पहचानी गई **सूखी हुई नदी स्थल,** स्थल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर स्थित थी।
  - यह नदी संभवतः **इस क्षेत्र के लिये जीवन रेखा के रूप में कार्य करती थी,** पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पावासी इस नदी के पानी को अपने प्राथमिक जल स्रोत के रूप में संग्रहित करते थे।
  - भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा स्थल पर की गई कोर ड्रिलिंग से दृशावती नदी के तल की उपस्थिति की पुष्टि हुई।
- **सभ्यता पर नदी सूखने का प्रभाव:**
  - पुरातत्वविदों का मानना है कि **दृशावती नदी लगभग 5,000 वर्ष पहले सूखने लगी थी,** जिसके कारण राखीगढ़ी जैसे शहरों में जल संकट उत्पन्न हो गया था।
  - **दृशावती और** सरस्वती नदियों के धीरे -धीरे लुप्त होने से संभवतः इस क्षेत्र में हड़प्पा सभ्यता का **पतन हुआ।**
- **हड़प्पा इंजीनियरिंग की विरासत:**
  - ये निष्कर्ष हड़प्पा लोगों द्वारा प्रयुक्त **जल भंडारण और संरक्षण की उन्नत तकनीकों** को प्रदर्शित करते हैं, तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में उनकी कुशलता को रेखांकित करते हैं।

हड़प्पा सभ्यता

- **हड़प्पा सभ्यता,** जिसे **सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के नाम से भी जाना जाता है,** सिंधु नदी के किनारे लगभग **2500 ईसा पूर्व में विकसित हुई थी।**
- यह **मिस्र, मेसोपोटामिया और चीन** के साथ **चार प्राचीन शहरी सभ्यताओं में सबसे बड़ी थी।**
- **तांबा आधारित मिश्रधातुओं** से बनी अनेक कलाकृतियों की खोज के कारण सिंधु घाटी सभ्यता को **कांस्य युगीन सभ्यता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
- **दया राम साहनी ने** सबसे पहले **1921-22 में हड़प्पा की खुदाई की** और **राखल दास बनर्जी ने 1922 में मोहनजो-दारो की** खुदाई शुरू की।
  - ASI **के महानिदेशक सर जॉन मार्शल उस उत्खनन के लिये ज़िम्मेदार थे जिसके परिणामस्वरूप** सिंधु घाटी सभ्यता के **हड़प्पा और** मोहनजोदड़ो **स्थलों** की खोज हुई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/harappan-era-water-management-techniques